(क) जी हां, विश्व के अधिकांश देशों एवं देश के समस्त प्रदेशों के साथ उत्तर प्रदेश में भी कोविड-19 महामारी का प्रकोप रहा है। कोरोना वायरस संक्रमण के प्रथम दिवस से प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में इस बीमारी के प्रसार को रोकने, प्रदेश के नागरिकों को उचित जानकारी तथा जाँच एवं उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा इस बीमारी के कारण जन हानि को रोकने हेतु पूर्णतया कटिबद्ध रही है।

(ख) जी हां।

(ग) प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 अथवा कोविड जैसी बीमारी के प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु निम्नलिखित तैयारियॉ की गई हैः-

- प्रदेश के समस्त जनपदों में डेडिकेटेड उपचार केन्द्रों की स्थापना की गई है जहां वेन्टीलेटर एवं एच0एफ0एन0सी0 सुविधा के साथ प्रशिक्षित मानव-संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।
- प्रदेश के समस्त जनपदों में कोविड-19 एवं अन्य रोगों की जॉच हेतु बी0एस0एल0-2 प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है।
- चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ को नियमित रूप से प्रभावी केस मैनेजमेन्ट हेतु समय-समय पर प्रशिक्षित किया जा रहा है।
- कोविड के प्रभावी नियंत्रण एवं उपचार हेतु समस्त रिपोर्टों के संकलन एवं विश्लेषण हेतु एक रियल टाइम आन-लाइन पोर्टल विकसित किया गया है।
- एकीकृत कोविड कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर की स्थापना कर रोगी/सम्भावित रोगी, टेस्टिंग ईकाई, एम्बुलेन्स सेवा एवं उपचार केन्द्र के मध्य एक प्रभावी संवाद एवं समन्वय स्थापित किया जा रहा है।
- राज्य एवं जनपद स्तर पर क्रियाशील कॉल सेन्टरों के माध्यम से रोगियों को समुचित परामर्श एवं मार्ग-दर्शन दिया जा रहा है।
- रोगियों को घर बैठे जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत एक लैब रिपोर्ट लिंक जारी किया गया है, जिसके द्वारा प्रदेश की जनता लाभान्वित हो रही है।
- जनमानस को जांच की सुविधा का स्थान जानने के लिये "मेरा कोविड केन्द्र" एप लॉन्च किया गया है, जिसके द्वारा जनमानस को अपनी जांच कराने में सुविधा प्रदान की जा रही है।
- कोविड-19 मुख्यतः श्वसन तंत्र का रोग है। इस रोग हेतु तैयार की गई सभी उपचार एवं जॉच सुविधाओं का प्रयोग कोविड जैसी अन्य बीमारियों के लिए भी किया जा सकता है।

- **श्वसन तंत्र के अन्य रोगों यथा इन्फ्लुएन्ज-ए-एच-1, एन-1, खसरा इत्यादि हेतु जॉच तथा उपचार सुविधायें एवं प्रोटोकॉल पहले से ही उपलब्ध है।**
- **कोविड-19 को रोकने का वैक्सीनेशन सबसे कारगर उपाय है। प्रदेश में दिनांक 16 जनवरी, 2021 से 19 मई, 2022 तक 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों में प्रथम डोज कवरेज 15,31,34,180 (103.87 प्रतिशत), द्वितीय डोज कवरेज 13,42,58,727 (91.07 प्रतिशत) तथा बूस्टर/प्रिकाशन डोज कवरेज 30,02,701 है। इसके अतिरिक्त 15 से 17 आयु वर्ग के अव्यस्कों को कुल 2,38,44,936 एवं 12 से 14 वर्ष के बच्चों का 83,66,213 डोज दी जा चुकी है। इस प्रकार कुल 32,26,06,757 डोज दी जा चुकी है।**

ब्रजेश पाठक

उप मुख्य मंत्री